राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 06 अप्रैल 2026 वर्ष-9,अंक-71 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंभ वाले आईआईटी बाबा अभय सिंह ने की शादी

▶ पत्नी संग पहुंचे झज्जर, परिवार भी था इससे अनजान

झज्जर (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में आईआईटी बाबा के नाम से चर्चा में आए अभय सिंह बैंक खाते की केवाइसी अपडेट करवाने के लिए अपनी पत्नी प्रीतिका के साथ सोमवार को झज्जर तहसील में पहुंचे। तहसील परिसर में वह अपने एडवोकेट पिता के चैंबर में कुछ देर रुके, जहां मीडिया से रूबरू हुए। चैंबर के बाहर अभय सिंह के साथ सेल्फी लेने वालों की भीड़ लग गई। कई लोगों ने उनके साथ पुरानी यादें भी ताजा कीं। अभय सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी प्रीतिका बेंगलुरु की रहने वाली हैं। दोनों एक ही विजन पर साथ काम कर रहे हैं। माता-पिता से मिलने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं उनसे जरूर मिलूंगा, लेकिन बड़े परिवार के लिए छोटे परिवार को छोड़ना पड़ता है। अभय सिंह ने बताया कि वे श्रीयूनिवर्सिटी बनाने पर काम कर रहे हैं। इस यूनिवर्सिटी में सांसारिक ज्ञान के साथ-साथ आध्यात्मिक साधना और विभिन्न प्रकार की साधनाओं को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, ज्ञान को कम्बाइन किया जाएगा। यहां सिखाने वाला ज्ञान और साधना वाला ज्ञान दोनों पर काम होगा।

ईरान बोला: होर्मुज की चाबी खो गई

● ट्रम्प ने कहा था: इसे खोलो वरना नरक बना दूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के धमकी पर जिम्बाब्वे स्थित ईरानी दूतावास ने तंज भरे अंदाज में जवाब दिया है। दूतावास ने कहा कि ह्यहोर्मुज स्ट्रेट की चाबी खो गई है। दरअसल, ट्रम्प ने ईरान को अल्टीमेटम दिया है कि वह इस समुद्री रास्ते को तुरंत खोल दे, नहीं तो उसे गंभीर सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उसके पावर प्लांट और पुलों हमला होगा और ईरान को नरक बना दिए जाएगा। ईरान के कुछ अन्य दूतावासों ने भी सोशल मीडिया पर ट्रम्प का मजाक उड़ाया है। दक्षिण अफ्रीका में मौजूद ईरानी दूतावास ने तंज करते हुए कहा कि 'चाबी फूलदान के नीचे है, दोस्तों के लिए रास्ता खुला है।' वहीं इस जंग को रोकने पर आज सहमति बन सकती है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक पाकिस्तान ने दोनों देशों को सीजफायर का प्रस्ताव सौंपा है। पाकिस्तान ने इस डील को अस्थायी तौर पर इस्लामाबाद अकॉर्ड नाम दिया है, जिसे दो हिस्सों में बांटा गया है। ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल के हमले बढ़े तो वह ग्लोबल सप्लाई चेन को ठप कर देगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा है कि वह होर्मुज के अलावा दूसरे समुद्री रास्तों को भी निशाना बना सकता है।

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में भारी चूक

वीआईपी गेट का बैरियर तोड़ घुसी कार, परिसर में एक गुलदस्ता रखकर भागा नकाबपोश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में सोमवार को सुरक्षा में चूक का बड़ा मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश नंबर की एक सफेद रंग की कार गेट पर लगे बैरियर तोड़कर विधानसभा परिसर में घुस गई। अधिकारियों के मुताबिक, कार के अंदर से एक नकाबपोश शख्स नीचे उतरा और एक गुलदस्ता विधानसभा परिसर में रखकर वापस लौट गया।

इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा दिए हैं। बताया जा रहा है यह घटना विधानसभा के गेट नंबर दो पर हुई है। पुलिस ने

मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की है।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश नंबर की कार दोपहर करीब दो बजे गेट नंबर-2 को तोड़ते हुए विधानसभा परिसर में प्रवेश कर गई। दिल्ली सचिवालय के एक अधिकारी ने कहा, ह्यकार चालक विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और पोर्च के पास फूलों का एक गुलदस्ता रखकर वापस लौट गया।ह्व इस घटना ने गंभीर सुरक्षा चिंताएं पैदा कर दी हैं और अधिकारी इसे संभावित ह्यसुरक्षा उल्लंघनह्व के रूप में देख रहे हैं। यह घटना हाल ही में संपन्न बजट सत्र के दौरान

विधानसभा को मिले बम धमकी भरे संदेशों के बाद सामने आई है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, विधानसभा के गेट नंबर-2 यानी कि वीआईपी गेट से एक कर घुसी। इसी गेट से वीआईपी का आना-जाना होता है।

20 अगस्त 2025: दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर 20 अगस्त 2025 की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था। शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे आरोपी ने सीएम को कागज देते समय उनका हाथ खींचा था। आरोपी ने उनके बाल खींचे और फिर थप्पड़ मारा था। हमले में रेखा के हाथ-कंधे, सिर पर चोटें आई थीं। आरोपी का नाम राजेशभाई खीमजी था। गुजरात के राजकोट का रहने वाला था। उसे तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया गया था। राजेश पर गुजरात में भी चाकूबाजी समेत 5 केस पहले से दर्ज थे। हालांकि, गिरफ्तारी के दौरान उसके पास कोई हथियार नहीं मिला था।

बीजेपी का स्थापना दिवस, मोदी बोले-भाजपा हर चुनौती को तैयार

योगी ने पार्टी के झंडे के साथ सेल्फी ली, एमपी में 17 नए कार्यालयों का भूमिपूजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी इखढ आज 2026 में अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है। स्थापना दिवस को लेकर देशभर में BJP कार्यालयों में कई कार्यक्रम हुए। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 'देश जानता है, हर चुनौती का सामना करने के लिए इखढ ईमानदारी से कोशिश कर रही है, आगे भी करेगी। पहले भी सकारात्मक नतीजे मिले हैं और आगे भी मिलेंगे।' उन्होंने वीडियो मैसेज में कहा, अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों काले कानूनों का अंत, लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य समाज के गरीबों के लिए 10%आरक्षण, कानून बनाकर तीन तलाक पर रोक, सीएए, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण। ऐसे कितने ही काम हैं, जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का नतीजा है। हमारा मिशन अभी भी जारी है। उत्तर प्रदेश में CM योगी आदित्य नाथ ने पार्टी के झंडे के साथ सेल्फी ली। मध्य प्रदेश में आज 17 नए कार्यालयों का भूमिपूजन किया जा रहा है। अमित शाह ने लिखा- भाजपा का मूल मंत्र हमेशा स्पष्ट रहा है, नेशनल फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट। इसी मूल भावना के साथ भाजपा का हर कार्यकर्ता दिन-रात राष्ट्र-सेवा में समर्पित है। भाजपा ने लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने के साथ देश को तुष्टीकरण से मुक्त, सुशासन, पारदर्शिता को स्थापित करने का कार्य किया है। आज भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों और आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बन चुकी है।

अब तक भाजपा के 2 प्रधानमंत्री

भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। लेकिन इसकी नींव 1951 में बने भारतीय जनसंघ के दौरान पड़ी। इसकी स्थापना श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय ने की थी। 1975झ77 में इमरजेंसी के बाद जनसंघ समेत कई दल मिलकर जनता पार्टी में शामिल हुए, लेकिन मतभेदों के कारण 1980 में अलग हो गए। इसके बाद भाजपा का गठन हुआ। स्थापना के बाद से इखढ के दो प्रधानमंत्री रहे हैं- नरेंद्र मोदी और अटल बिहारी वाजपेयी। 1996, 1998 और 1999 के लोकसभा चुनावों में, पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 के लोकसभा चुनाव में, पार्टी ने 303 सीटें जीतीं, जो पार्टी के इतिहास में सबसे ज्यादा हैं।

दिल्ली शराब घोटाला केस में केजरीवाल खुद पैरवी करेंगे

▶ जस्टिस स्वर्ण कांता से इस केस से हटने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केजरीवाल ने इस केस की जज स्वर्ण कांता शर्मा से खुद को अलग (recuse) करने की मांग की। कहा कि वे खुद दलीलें रखेंगे। अभी तक मैंने किसी को भी अपना वकालतनामा नहीं दिया है।दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मामला कोर्ट में है इसलिए मैं यहां कुछ नहीं कहना चाहता हूं। सोमवार को मामले पर इसी बेंच में सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि अदालत नाटक का मंच नहीं है। मेहता ने केजरीवाल की अर्जी का कड़ा विरोध किया। उन्होंने केजरीवाल के आरोपों को तुच्छ और अवमाननापूर्ण बताया। मेहता ने यह भी बताया कि सात अन्य बरी हुए आरोपियों ने भी जज को हटाने की अर्जी दी है। जस्टिस शर्मा ने कहा कि यदि कोई और अर्जी देना चाहता है तो दे सकता है, ताकि वह एक बार में फैसला कर सकें। 27 फरवरी को ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को बरी कर दिया था। निचली अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को फटकार लगाई थी। उसने कहा था कि उसका मामला न्यायिक जांच में टिकने योग्य नहीं है। यह पूरी तरह से अविश्वसनीय पाया गया था। नौ मार्च को जस्टिस शर्मा ने केंद्रीय जांच ब्यूरो की याचिका पर सभी 23 आरोपियों को नोटिस जारी किया था। उन्होंने कहा था कि आरोप तय करने के चरण में निचली अदालत की कुछ टिप्पणियां त्रुटिपूर्ण प्रतीत होती हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय ने केजरीवाल के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि जज को हटाने का फैसला संबंधित जज को ही लेना होता है।

'सत्ता में बने रहने के लिए एलडीएफ और भाजपा के बीच समझौता': प्रियंका गांधी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को केरल के कन्नूर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने भाजपा के साथ समझौता कर लिया है। प्रियंका ने कहा कि एलडीएफ 10 साल तक सत्ता में बने रहने के लिए अपनी विचारधारा और जिम्मेदारी से समझौता कर रही है। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने पेरावूर में कहा कि एलडीएफ ने उस भाजपा से समझौता किया है जो

अल्पसंख्यकों को परेशान करती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ईसाई समुदाय और उनकी नन को परेशान करती है, फिर भी एलडीएफ उनके साथ है। प्रियंका ने सबरीमाला में हुई चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर एक शब्द भी नहीं बोला। उनके अनुसार, यह चुप्पी दोनों पार्टियों के बीच समझौते का बड़ा सबूत है।वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने पेरावूर में कहा कि एलडीएफ ने उस भाजपा से समझौता किया है जो अल्पसंख्यकों को परेशान करती है। उनके अनुसार, यह चुप्पी दोनों पार्टियों के बीच समझौते का बड़ा सबूत है।

राज्य के हरिपाद जिला में अमित शाह का रोड शो

हरिपाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल के हरिपाद जिले में एक विशाल रोड शो किया। उन्होंने आगामी नौ अप्रैल को होने वाले केरल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एनडीए उम्मीदवार संदीप वाचस्पति के लिए प्रचार किया। रोड शो में सैकड़ों एनडीए कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें से कई ने पार्टी की टोपी पहन रखी थी और भाजपा के झंडे लिए हुए थे। समर्थकों ने नारे लगाए और शाह तथा वाचस्पति के कट-आउट लहराए। यह रोड शो गांधी चौक से शुरू होकर हरिपाद के प्रमुख क्षेत्रों से गुजरा। बारिश के बावजूद भीड़ उत्साहित बनी रही। शाह ने रास्ते भर समर्थकों का अभिवादन किया। हरिपाद विधानसभा सीट पर कड़ा त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। कांग्रेस ने मौजूदा विधायक और वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को फिर से मैदान में उतारा है। वहीं, सत्तारूढ़ एलडीएफ ने सीपीआई उम्मीदवार टी टी जिस्मोन को टिकट दिया है। एनडीए के संदीप वाचस्पति भी इस सीट पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

'सप्लाई प्रभावित होने के बावजूद हर दिन दिए जा रहे 50 लाख सिलिंडर'

जानिए सरकार ने क्या बताया...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी भारी भू-राजनीतिक तनाव और 35 दिनों से अधिक समय से चल रहे संकट के बीच, भारत सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर देश के उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एक बड़ा बयान देते हुए स्पष्ट किया है कि इस क्षेत्र से भारत की एलपीजी सप्लाई भले ही प्रभावित हुई है, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला को टूटने नहीं दिया गया है। उनके मुताबिक, वर्तमान विपरीत परिस्थितियों में भी भारत भर में प्रतिदिन लगभग 50 लाख एलपीजी सिलेंडरों की निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। सुजाता शर्मा ने स्थिति की गंभीरता को समझाते हुए बताया कि हमारी एलपीजी जरूरतों का एक बहुत बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से ही आता है, जिसके कारण मौजूदा संकट से सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। हालांकि, सरकार ने हर संभव प्रयास किया है कि किसी भी आम उपभोक्ता को पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत का सामना न करना पड़े। जमीनी स्तर पर स्थिति को संभालने के लिए तेल विपणन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी लगातार फील्ड में जाकर निरीक्षण कर रहे हैं। सुजाता शर्मा ने कहा कि ये अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सप्लाई सुचारू रहे और किसी भी संभावित गड़बड़ी को तुरंत रोका जाए। राहत की बात यह है कि देश के किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के पास से 'एलपीजी ड्राईआउट' (गैस खत्म होने) की कोई खबर नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि आज 35 दिन से अधिक हो गए हैं। उन्होंने कहा, "हमारी एलपीजी की जरूरत का बहुत बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से ही आता है, इसलिए इससे सप्लाई प्रभावित हुआ है। हालांकि, भारत सरकार ने हर संभव प्रयास किया है कि किसी भी उपभोक्ता को

खाद्यान्न का बफर स्टॉक मानकों से तीन गुना ज्यादा

वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच भारत की खाद्य सुरक्षा भी बेहद मजबूत स्थिति में है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की संयुक्त सचिव सी. शिखा के अनुसार, देश के पास गेहूं और चावल का पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है, जो निर्धारित मानकों का तीन गुना है। वर्तमान में सरकार के पास 222 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 380 LMT चावल उपलब्ध है, जिससे कुल खाद्यान्न भंडार 602 LMT के पार पहुंच गया है। यह विशाल स्टॉक सार्वजनिक वितरण प्रणाली के साथ-साथ किसी भी आपातकालीन जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा, इंडोनेशिया, मलेशिया, रूस, यूक्रेन, अर्जेंटीना और ब्राजील जैसे प्रमुख भागीदार देशों से खाद्य तेलों का आयात स्थिर बना हुआ है, और घरेलू स्तर पर सरसों के बेहतर उत्पादन ने भी आपूर्ति को मजबूत किया है। पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक संकट ने वैश्विक ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए गंभीर चुनौतियां खड़ी की हैं। हालांकि, पेट्रोलियम, नौवहन और खाद्य मंत्रालय के अधिकारियों के बयानों से स्पष्ट है कि भारत सरकार का समन्वित दृष्टिकोण अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं को सुरक्षित रखने में कारगर साबित हो रहा है। सरकार स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रही है और आवश्यकता पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'देश की समृद्धि और सुरक्षा ही व्यक्तिगत प्रगति की कुंजी'

कोच्चि में बोले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

कोच्चि (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि व्यक्तिगत समृद्धि केवल तभी प्राप्त की जा सकती है, जब देश समृद्ध और सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए व्यक्तिगत प्रगति को देश की प्रगति से जोड़ना आवश्यक है।आरएसएस प्रमुख ने यह बात कोच्चि में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध छात्रों के सांस्कृतिक संगठन बालागोकुलम के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कही।मोहन

भागवत ने जोर देकर कहा कि समृद्धि और सुरक्षा को अलग-अलग हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, "जब देश समृद्ध और सुरक्षित होता है, तभी परिवार भी समृद्धि और सुरक्षा प्राप्त करते हैं। जब व्यक्ति राष्ट्र की समृद्धि और सुरक्षा के लिए काम करते हैं, तो वे स्वयं भी समृद्ध होते हैं।" उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि लोगों को अक्सर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

युवाओं के लिए मार्गदर्शन

युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत करियर विकास और देश के विकास के लिए काम करने के बीच चयन को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि करियर निर्माण और राष्ट्र के लिए काम करना परस्पर विरोधी नहीं हैं। उन्होंने कहा, "इसमें कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, क्योंकि करियर बनाना और राष्ट्र के लिए काम करना विरोधाभासी नहीं हैं। कुंजी सही मार्ग चुनने में निहित है।" सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के हिस्से के रूप में मोहन भागवत ने भगवान कृष्ण को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने बालागोकुलम कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों के साथ भी बातचीत की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

- स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार

(विश्व स्वास्थ्य दिवस (7 अप्रैल) पर विशेष)

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें'' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य- हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

संपादकीय

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशत- पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है। दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति श्रृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निर्माताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

स्वास्थ्य का बाजार और दम तोड़ती आम आदमी की उम्मीदें

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(7 अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस)

हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से कहते आए हैं कि पहला सुख निरोगी काया, लेकिन आज की हकीकत को देखकर तो ऐसा लगता है कि अब निरोगी वही रह सकता है जिसकी जेब में मोटा पैसा हो। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी एक बड़ी आबादी छोटी-सी बीमारी के इलाज के खर्च से घबराती है, वहाँ विश्व स्वास्थ्य दिवस जैसे आयोजन महज औपचारिकता बनकर रह गए हैं। असलियत तो यह है कि आज के दौर में जान है तो जहान है वाली बात अब अस्पतालों के भारी-भरकम बिलों के बीच कहीं दम तोड़ती नजर आती है। क्या हम वास्तव में स्वस्थ हो रहे हैं या सिर्फ दवाइयों के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं जिसका दूसरा सिरा कंगाली की ओर जाता है? आज चिकित्सा का पूरा क्षेत्र चकाचौंध भरे कारोबार में बदल चुका है। बड़े शहरों में फाइव स्टार होटलों जैसे दिखने वाले अस्पताल तो खड़े हो गए हैं, लेकिन वहां का दरवाजा खटखटाने से पहले एक आम आदमी दस बार अपनी खाली जेब टटोलता है। मध्यमवर्गीय परिवारों की बरसों की गाढ़ी कमाई एक गंभीर बीमारी के इलाज में चंद दिनों में हवा हो जाती है। हमारे यहाँ कहावत है गरीबी में आटा गीला, और आज के दौर में बीमारी वही काम कर रही है। सरकारी अस्पतालों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है, जहाँ लंबी कतारें और संसाधनों की कमी मजबूरन आदमी को निजी अस्पतालों की लूट की तरफ धकेल देती है।

चिकित्सा की संवेदनशीलता किस कदर खत्म हो रही है, इसका कड़वा अनुभव मुझे हाल ही में एक सामान्य खांसी के दौरान हुआ। एक मामूली खांसी के इलाज के लिए मुझे महीने भर के भीतर तीन डॉक्टर बदलने पड़े, क्योंकि हर बार मर्ज कम होने के बजाय दवाओं का बोझ और जांचों की लंबी फेहरिस्त बढ़ती गई। विडंबना देखिए कि आज डॉक्टर का आश्वासन मरीज को ढांढस बंधाने के बजाय उसकी चिंता और बीमारियां बढ़ा देता है। डॉक्टर अब मरीज की नब्ज से ज्यादा उसकी आर्थिक हैसियत टटोलते नजर आते हैं। जब एक छोटी-सी खांसी के लिए इंसान को हफ्तों भटकना पड़े और भारी-भरकम फीस चुकानी पड़े, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी गंभीर बीमारी में एक आम आदमी की रूह कितनी कांपती होगी। आज डॉक्टर और मरीज के बीच का वह पवित्र भरोसा व्यावसायिकता की भेंट चढ़ चुका है। गाँवों की स्थिति और भी विकट है, जहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अक्सर खुद ही बीमार नजर आते हैं। वहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण नीम-हकीमों का धंधा फल-फूल रहा है और बेचारा ग्रामीण मरीज शहर के चक्कर काटते-काटते अपनी जमीन-जायदाद तक से हाथ धो बैठता है। चिकित्सा व्यवस्था का ऐसा चरमराना केवल एक विभाग की विफलता नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है। दवाइयों की पर्ची अब एक डरावने बिल की तरह लगती है जिसे देख मरीज का आधा खून सूख जाता है। सरकारी तंत्र की ढिलाई ने गली-मोहल्लों में ऐसे क्लीनिक खड़े कर दिए हैं जो इलाज के नाम पर सिर्फ वक्त और पैसा बर्बाद करते हैं। रसूखदारों के लिए तो यहाँ हर बिस्तर खाली है, लेकिन एक लाचार नागरिक के लिए सरकारी अस्पताल के स्ट्रेचर तक पहुंचना भी किसी जंग को जीतने जैसा है। क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ साँसों की कीमत केवल नोटों के बंडल तय करेंगे? संवेदनहीनता का यह वायरस आज चिकित्सा जगत की सबसे बड़ी बीमारी बन चुका है, जिसका इलाज किसी अस्पताल के पास नहीं है।

निजी अस्पतालों में कमीशन का खेल और दवाओं के नाम पर जो लूट चल रही है, वह किसी आम नागरिक के पल्ले नहीं पड़ती। अंधेर नगरी चौपट राजा वाली तर्ज पर दवाओं के दाम और इलाज का खर्च आज एक ऐसी कड़वी सच्चाई बन चुके हैं, जो किसी भी हंसते-खेलते परिवार को कर्ज के गहरे गड्ढे में धकेल सकते हैं। शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ आजकल मानसिक तनाव, शुगर और बीपी जैसी बीमारियाँ घर-घर की कहानी बन गई हैं। प्रदूषण और मिलावटी खान-पान हमारे शरीर में धीरे-धीरे जहर घोल रहे हैं और हम बीमार होने के बाद लाखों लुटाने को तो तैयार हैं, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए अपनी आदतों में बदलाव करने को तैयार नहीं हैं। स्वास्थ्य सेवाओं का इस तरह अंधाधुंध निजीकरण होना हमारे लोकतंत्र एवं समाज के लिए एक बड़ी चुनौती है। स्वास्थ्य कोई बाजार में बिकने वाली लग्जरी चीज नहीं है जिसे केवल रईस लोग ही खरीद सकें, बल्कि यह हर नागरिक का संवैधानिक हक है। सरकार को स्वास्थ्य बजट में कंजूसी छोड़नी होगी और दवाओं के दाम पर कड़ा हंटर चलाना होगा। डॉक्टरों को भी उस शपथ की लाज रखनी होगी जो उन्होंने इस पेशे में कदम रखते समय ली थी। असली स्वस्थ भारत तभी बनेगा जब इलाज किसी के लिए कंगाली का कारण न बने।

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

विचार मंथन

डोनाल्ड ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन, गाली गलौज पर उतरे

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 35 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 35 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं।

ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा।

ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट, गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें

-50-60 प्रतिशत से ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं। तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60 फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है।

होर्मुज तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक तेल कीमतों में तेज की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई चेतावनी के बाद बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत बढ़कर 109.8 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। वहीं रवीवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.4 फीसदी बढ़कर 110.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी क्रूड (डब्ल्यूटीआई) में 1.8 फीसदी की तेजी आई और यह 113.60 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर होर्मुज को तुरंत नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका कड़े सैन्य कदम उठा सकता है। इस बयान के जवाब में एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। उनका कहना था कि जब तक युद्ध से हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होती, तब तक यह मार्ग बंद रहेगा।

वित्त वर्ष 2025-26 में देश में वाहन बिक्री में 13.3 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि

- पिछले वित्त वर्ष में वाहनों की बिक्री 41,63,927 इकाई थी

नई दिल्ली ।

देश में सभी श्रेणियों के वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,96,71,064 इकाई तक पहुंच गई। यह जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को जारी की।` पिछले वर्ष की तुलना में यह बिक्री 2,61,87,255 इकाई थी। वर्ष की शुरुआत धीमी रहने के बावजूद जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद बाजार में तेजी आई। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 47,05,056 इकाई हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 41,63,927 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.4 प्रतिशत बढ़कर 2,14,20,386 इकाई रही।

तिपहिया वाहनों की बिक्री 11.68 प्रतिशत बढ़कर 13,63,412 इकाई और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 11.74 प्रतिशत बढ़कर 10,60,906 इकाई रही। फाडा के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह वर्ष भारतीय मोटर वाहन उद्योग के लिए ऐतिहासिक रहा। छह में से पांच वाहन श्रेणियों में बिक्री के नए रिकॉर्ड बने हैं। तीन करोड़ इकाइयों के स्तर के करीब पहुंचना दो साल पहले असंभव लगता था। जीएसटी 2.0 के लागू होने से दोपहिया, छोटी कारों, तिपहिया और कुछ वाणिज्यिक वाहनों की वहनीयता में सुधार हुआ। हालांकि, फाडा ने भविष्य में पश्चिम एशिया युद्ध, ईंधन कीमतों और उपभोक्ता विश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी। संगठन के सर्वेक्षण में 36.5 प्रतिशत डीलरों ने कहा कि बढ़ती ईंधन कीमतें ग्राहकों के खरीद निर्णयों को प्रभावित कर रही हैं। वहीं, वित्तपोषण स्थितियां स्थिर रही, और 72.5 प्रतिशत डीलरों ने पिछले 30 दिनों में कोई बदलाव नहीं देखा।

जिंदल स्टील ने ईंधन संकट में सिंगैस का इस्तेमाल शुरू किया

– कोयले से तैयार सिंथेसिस गैस (सिंगैस) एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है

नई दिल्ली ।

ईंधन की कमी के बीच जिंदल स्टील ने अपने उच्च तापमान वाली भट्टियों में सिंथेसिस गैस (सिंगैस) का इस्तेमाल शुरू किया है। इससे प्राकृतिक गैस, एलपीजी और प्रोपेन की आपूर्ति में व्यवधान के बावजूद उत्पादन में निरंतरता बनी। यह इस्पात उद्योग में ऐसा पहला प्रयास है। सिंथेसिस गैस एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है जो अपशिष्ट और जैविक पदार्थों को ऊर्जा में बदलता है। जिंदल स्टील ने इसे कोयले के गैसीकरण से तैयार किया है। इसके इस्तेमाल से गैल्वनाइजिंग लाइन में इस्पात पर जस्ता की परत और कलर कोटिंग लाइन में धातु पर रंग की परत चढ़ाने वाली भट्टियों का संचालन सुचारू हुआ। कंपनी ने देश का पहला डीआरआई संयंत्र स्थापित किया है, जिसमें सिंगैस का इस्तेमाल लोहे के उत्पादन में होता है। इसके साथ ही ब्लास्ट फर्नेस में सिंगैस इंजेक्शन से आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम हुई और प्रति टन इस्पात कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई। अंगुल संयंत्र के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार स्वदेशी कोयले से तैयार सिंगैस आयातित गैस, अमोनिया और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का विकल्प बन सकता है।

इससे भारत को अपने विशाल कोयला भंडार का उपयोग कर भविष्य में कम कार्बन उत्सर्जन वाली वृद्धि सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टील के संयंत्र ओडिशा (अंगुल), छत्तीसगढ़ (रायगढ़) और झारखंड (पतरातू) में हैं, और कंपनी का भारत और अफ्रीका में भी रणनीतिक परिचालन है।

शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों ने 91 लाख वर्गफुट कार्यालय स्थान लिए पट्टे पर

नई दिल्ली ।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में भारत के शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों द्वारा कार्यालय स्थान पट्टे पर लेने की गतिविधि रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कुल 91 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे पर लिया गया, जो किसी भी तिमाही का अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। कंपनी के अनुसार इन नौ शहरों में कुल कार्यालय पट्टे की मात्रा 2.07 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले साल इसी अवधि के 1.97 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। इन शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता, अहमदाबाद और कोच्चि शामिल हैं। बेंगलुरु ने 29 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 22 फीसदी और मुंबई 16 फीसदी के साथ प्रमुख शहर बने।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही पीएमआई

– मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया

नई दिल्ली ।

देश के सेवा क्षेत्र में मार्च 2026 में विस्तार जारी रहा, लेकिन वृद्धि की गति पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया द्वारा जारी मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, मौसमी रूप से समायोजित सेवा पीएमआई कारोबार सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 पर आ गया। पीएमआई में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों के विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया। कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि कच्चे माल की लागत में तेज वृद्धि हुई। फरवरी के बाद खाना पकाने का तेल, अंडे, बिजली, फल, ईंधन, श्रम, मछली, चिकन, मीट और सब्जियों की कीमतें बढ़ीं। निजी क्षेत्र में लागत दबाव लगभग चार वर्ष में सबसे अधिक रहा। रोजगार में लगातार तीसरे महीने वृद्धि दर्ज हुई।

कंपनियों का मानना है कि बढ़ते विश्वास और मांग के कारण नौकरी सृजन मजबूत रहा।

उत्पादन के दृष्टिकोण में कंपनियों की आशावादिता पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक रही। एचएसबीसी इंडिया का समग्र पीएमआई फरवरी के 58.9 से घटकर मार्च में 57.0 हो गया, जो लगभग तीन वर्षों में विस्तार की सबसे धीमी दर दर्शाता है। यह सूचकांक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के भारित औसत पर आधारित है।

विप्रो ने ओलाम समूह से किया एक अरब डॉलर का करार

- कंपनी की माइंडस्प्रिंट को 37.5 करोड़ डॉलर में खरीदने की योजना

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो ने सिंगापुर स्थित खाद्य एवं कृषि कारोबार समूह ओलाम के साथ आठ वर्ष का बहुवर्षीय रणनीतिक समझौता किया है। इस करार का अनुमानित मूल्य 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है, जिसमें 80 मिलियन डॉलर का सुनिश्चित व्यय शामिल है। इसके तहत विप्रो, ओलाम की आईटी और डिजिटल सेवा इकाई माइंडस्प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी। विप्रो ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह समझौता कंपनी की ÷फार्म से फोर्क÷ क्षमताओं को बढ़ाने और खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल प्रभाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। माइंडस्प्रिंट की स्थापना 2007 में सिंगापुर में हुई थी

और कंपनी के 3,200 से अधिक कर्मचारी भारत, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन और पश्चिम एशिया में कार्यरत हैं। कंपनी ने 2025 में 13.56 मिलियन डॉलर का समेकित राजस्व दर्ज किया। ओलाम समूह, जिसकी प्रमुख हिस्सेदारी टेमासेक होल्डिंग्स के पास है, दुनिया भर में 60 से अधिक देशों में लगभग 22,000 ग्राहकों को खाद्य पदार्थ, सामग्री, पशु चारा और रेशे की आपूर्ति करता है। यह अधिग्रहण ओलाम समूह की पुनर्गठन योजना के अनुरूप है, जिसके तहत समूह अपनी शेष परिसंपत्तियों और कारोबारों को जिम्मेदारीपूर्वक बेचकर विशेष लाभांश के रूप में शेयरधारकों में वितरित करेगा। माइंडस्प्रिंट का अधिग्रहण पूरी तरह नकद में किया जाएगा और 30 जून 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह समापन समायोजन और आवश्यक नियामकीय मंजूरी (सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया में प्रतिस्पर्धा-रोधी मंजूरी सहित) के अधीन होगा। विप्रो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल सेवाओं के विस्तार और विप्रो इंटेलिजेंस के प्रभाव को बढ़ाने में मदद करेगी। अे धिकारी ने कहा` कि माइंडस्प्रिंट के विकास में यह कदम संगठन को और मजबूत और भविष्य के लिए तैयार बनाएगा।

आईईएक्स पर वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार में रिकॉर्ड वृद्धि

– सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया

नई दिल्ली।

भारतीय ऊर्जा बाजार में वित्त वर्ष 2025-26 आईईएक्स (इं डियन इनर्जी एक्सचेंज) के लिए नए रिकॉर्ड लेकर आया। सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि का मुख्य कारण रियल-टाइम बाजार का मजबूत प्रदर्शन है, जिसने बाजार को अधिक सक्रिय और प्रतिस्पर्धात्मक बनाया।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में आईईएक्स पर बिजली का कारोबार 39.4 अरब यूनिट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक तिमाही स्तर है और सालाना आधार पर 24.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मार्च 2026 में मासिक स्तर पर भी कारोबार 13.90 अरब यूनिट तक बढ़ गया, जो पिछले साल की तुलना में 23.5 प्रतिशत अधिक है। नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) कारोबार भी मजबूत रहा। पूरे वित्त वर्ष में कुल 187.20 लाख आरईसी का लेन-देन हुआ, जो सालाना आधार पर 5 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-मार्च तिमाही में 71.70 लाख

आरईसी का कारोबार दर्ज हुआ, जबकि मार्च 2026 में यह आंकड़ा सालाना आधार पर 119.9 प्रतिशत बढ़कर 28.94 लाख तक पहुंच गया।

'डे-अहेड मार्केट' में अगले दिन की आपूर्ति के लिए सौदों का मूल्य सालाना आधार पर 13.7 प्रतिशत घटकर 3.86 रुपये प्रति यूनिट रहा। वहीं वास्तविक समय बाजार का समापन मूल्य 3.59 रुपये प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत कम है।

एचडीएफसी बैंक में अनिश्चितता, मार्च तिमाही में शेयर 26 फीसदी टूटे

- चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक को मार्च 2026 तिमाही में अनिश्चितता और निवेशकों की बिकवाली का सामना करना पड़ा। चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे ने बैंक में उथल-पुथल पैदा की और शेयरों पर दबाव देखा जा रहा है। मार्च तिमाही में बैंक के शेयरों में 26.2 फीसदी गिरावट आई, जो मार्च 2020 के बाद सबसे बड़ी है। सिर्फ पिछले महीने विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने बैंक से लगभग 35,000 करोड़ रुपये निकाले। इसी दौरान विदेशी निवेशकों ने 47.95 करोड़ शेयर बेचे, जिससे उनकी संख्या घटकर 2,528 रह गई, जो दिसंबर 2025 में 2,757 थी। इस लगातार तीसरी तिमाही है जब विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घट रही है। मार्च के अंत तक विदेशी हिस्सेदारी घटकर 44.05 फीसदी हो गई, जो पिछले तिमाही में 47.67 फीसदी थी। विश्लेषकों के अनुसार, चेयरमैन के इस्तीफे और निवेशकों के भरोसे में कमी ने बैंक की छवि और शेयर प्रदर्शन दोनों पर असर डाला है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कर्ज में चौथी तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़ोतरी

- कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

पुणे मुख्यालय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी देते हुए बताया कि कुल ऋण और जमा दोनों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। बैंक के अनुसार जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में कुल ऋण 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2.40 लाख करोड़ रुपये था, यानी 22 फीसदी की बढ़ोतरी। इसमें कॉरपोरेट ऋण 1.12 लाख करोड़ और खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई क्षेत्र के ऋण 1.79 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल जमा 3.50 लाख करोड़ रुपये होकर 14 फीसदी बढ़ गया, जबकि चालू और बचत खाते (सीएएसए) का अनुपात 13 फीसदी बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा। इन परिवर्तनों के साथ बैंक का कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में 5.46 लाख करोड़ रुपये था। बैंक की यह तिमाही वृद्धि उसकी वित्तीय स्थिति और तरलता में सुधार को दर्शाती है।

भारत में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि की संभावन

- 2030 तक बदल जाएगी रोजगार की तस्वीर, लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रियर) के अध्ययन के अनुसार भारत में *स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता (ईई) क्षेत्रों में रोजगार अगले चार वर्षों में तीन गुना बढ़ सकता है। 2021-22 में इन क्षेत्रों में कुल रोजगार 4,44,900 था, जो 2029-30 तक लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की संभावना है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2029-30 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 9,05,000 और ऊर्जा दक्षता में 4,28,700 रोजगार होने की उम्मीद है। 2021-22 में स्वच्छ ऊर्जा और अन्य पारंपरिक स्वच्छ ऊर्जा में रोजगार 3,18,000 और ईई में 1,26,900 था। इक्रियर का कहना है कि यदि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करता है तो संबंधित रोजगार 2.8 गुना बढ़ जाएंगे। वहीं 15 करोड़ टन तेल समतुल्य ऊर्जा बचत का लक्ष्य प्राप्त होने पर ईई में रोजगार 3.8 गुना बढ़ने की संभावना है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा सबसे अधिक रहेगा। अध्ययन में यह भी उजागर हुआ कि वर्ष 2022-2030 के बीच गुजरात में 79,000 व राजस्थान में 77,000 अतिरिक्त नौकरियों का सृजन होगा और ये सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले राज्य बनने की उम्मीद है। पवन ऊर्जा आधारित रोजगार सृजन के मामले में तमिलनाडु और गुजरात अग्रणी हैं जबकि आंध्र प्रदेश में बड़े जलविद्युत आधारित रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। छतों पर सौर पैनल लगाने से संबंधित रोजगार के मामले में गुजरात के अग्रणी रहने की उम्मीद है जबकि जमीन पर लगाए जाने वाले सौर पैनल में सबसे अधिक अतिरिक्त रोजगार राजस्थान में मिलने की संभावना है। ऊर्जा दक्षता के रोजगार में तमिलनाडु का दबदबा है और उसके बाद गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज होगा मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में जहां रॉयल्स जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। वहीं मुम्बई का लक्ष्य पिछले मैच में मिली हार से उबरकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें ता अब तक दोनो के बीच 31 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 16 मुम्बई ने जबकि 14 रॉयल्स ने जीते हैं। कप्तान रियान पराग की राजस्थान टीम ने अब तक काफी अच्छा खेला है। टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी ओर से योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है, वहीं वैभव सूर्यवंशी ने इसे तेजी रही है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम लक्ष्य तक पहुंचाया है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है।

गेंदबाजी में टीम के पास जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। वहीं नांद्रे बर्गर ने ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई ने अपनी स्पिन से विरोधियों पर अंकुश लगाया है। वहीं संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने भी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की इस मैच से वापसी अभी तय नहीं है। ऐसे में कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास ही रहने की संभावना है। मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा , सूर्यकुमार यादव के साथ ही तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

इसके अलावा रयान रिकेल्टन शेरफेन रदरफोर्ड और मिशेल सैंटनर के अलावा टीम के पास । शार्दुल ठाकुर जैसे ऑलराउंडर हैं। मुंबई की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट पर आधारित है। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनर मिशेल सैंटनर विरोधी टीम पर अंकुश लगायेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, तुमार देशपांडे, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर-डोनोवन फरेरा।

मुम्बई इंडियंस : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, मिचेल सेंटनर, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट प्लेयर-शार्दुल ठाकुर।

सीएसके की तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी।

हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

संग्राम सिंह अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

अगर पडिक्कल इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा: पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मेंटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा, जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद IPL में बैटिंग कर रहे हैं। रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ RCB की बड़ी जीत में पडिक्कल ने अहम भूमिका निभाई, उन्होंने 29 गेंदों में ताबड़तोड़ 50 रन बनाए।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में पडिक्कल की शांत और संयमित पारी के बारे में पूछे जाने पर RCB के बैटिंग कोच कार्तिक ने शुरुआती मुश्किल दौर में उनके संयम की तारीफ की जिसके बाद उन्होंने खुलकर खेलना शुरू किया। कार्तिक ने कहा, 'सबसे पहली बात जो सामने आती है, वह है उनका पक्का इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो

कई बैटर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट गंवा बैठते हैं। जब हालात मुश्किल थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई।'

उन्होंने कहा, 'जैसे ही उन्हें पहली बाउंड्री मिली, आप देख सकते थे कि उन्होंने अपनी बैटिंग का गियर बदल दिया। वह सही क्रिकेटिंग शॉट खेल रहे हैं और गेंद को जोरदार तरीके से मार रहे हैं। अगर वह इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए हैं और हम जानते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।' कार्तिक ने आगे कहा, 'एक और बात जो काबिले-तारीफ है कि वह यह कि वह कर्नाटक के ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। 25 साल की उम्र में भी, वह अपने आइडिया और लीडरशिप से टीम में योगदान दे रहे हैं, और यह देखना बहुत अच्छा लगता है।' पडिक्कल की पारी में 5 बाउंड्री और दो छक्के शामिल थे, जिससे RCB 250/3 के विशाल स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही इससे पहले टिम डेविड ने 25 गेंदों में 70 रन की तूफानी पारी खेली थी। RCB ने यह मैच 43 रनों से जीता और CSK को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

सरफराज ने पॉवरप्ले में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज सरफराज खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में नंबर चार पर खेलते हुए पावरप्ले में अर्धशतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस मैच में हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। आरसीबी की टीम के 250 रनों के जवाब में सीएसके टीम 19.4 ओवर में 207 रन ही बना पायी। सरफराज के लिए आमतौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच अच्छी रही। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने यहां आरसीबी की ओर से खेलते हुए 45 रन बनाये थे। अब एक दशक बाद इसी मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली है। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रहे। शीर्ष तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे केवल 17 रन ही बना पाये। सरफराज ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाया। सरफराज अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही आईपीएल में आईपीएल में नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों के अंदर अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। वहीं आरसीबी के खिलाफ सरफराज का यह दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से एक अर्धशतक लगाया था. वहीं अब छह साल बाद अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है।

शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने से हारे : ईशान किशन

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यकारी कप्तान ईशान किशन ने आईपीएल में यहां अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। इस मैच में सनराइजर्स को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ईशान ने कहा है कि शुरुआती बल्लेबाजों के असफल होने से टीम हारी है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने चार विकेट खो दिये थे। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 56 रन और हेनरिक क्लासेन के 62 रनों की सहायता से सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में केवल 156 रन तक पहुंची थी। ईशान ने कहा कि जो स्कोर उनकी टीम ने बनाया था वह बचाव के लिए पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हर्ष दुबे ने 18 रन देकर दो विकेट लेकर अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। इससे टीम ने अंतिम ओवर तक जीत हासिल करने का प्रयास किया। ईशान ने कहा कि यह एक अच्छा मैच था पर बचाव के लिए उनके रन कम पड़ गये। गेंदबाजों ने योजना के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षकों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। साथ ही कहा शुरुआत में 4 विकेट गिरने से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव आ गया पर क्लासेन और नीतीश ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 150 से ऊपर पहुंचाया। वहीं सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की घोषणा, भारत के दो खिलाड़ी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन, बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को मार्च 2026 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

सैमसन ने 2026 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत बेंच पर बैठकर की थी, जब उन्हें चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर एट्स मुकाबले से टीम में शामिल होने का मौका मिला, तो उन्होंने टूर्नामेंट की सबसे शानदार व्यक्तिगत कहानियों में से एक लिख दी। उन्होंने कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक जरूरी सुपर 8 मुकाबले में 97 रन की यादगार नाबाद पारी खेली। इसके बाद मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ सेमी-फाइनल में और अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में दोनों ही मैचों में उन्होंने 89-89 रन बनाए। उनके इन प्रयासों की बदौलत

भारत अपने घरेलू मैदान पर खिताब बचाने में कामयाब रहा और सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड मिला।

वहीं बुमराह भारत की हर उस नॉकआउट जीत के केंद्र में रहे, जिसने टीम को खिताब तक पहुंचाया। सेमी फाइनल में जहां इंग्लैंड के खिलाफ ज्यादातर गेंदबाजों ने 9.50 से ज्यादा रन प्रति ओवर दिए, बुमराह ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 1 विकेट लिया। उनके 16वें और 18वें ओवर की कसी हुई गेंदबाजी निर्णायक साबित हुई और इंग्लैंड लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 रन पीछे रह गया। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर चार विकेट झटके और अपने घरेलू मैदान पर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता। कुल मिलाकर बुमराह ने टूर्नामेंट के आखिरी तीन मैचों में 12 की औसत और 7 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए।

टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों में दक्षिण अफ्रीका के लिए 200 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। चौथे मैच में उन्होंने अपना पहला टी20आई अर्धशतक बनाया और फिर निर्णायक पांचवें मैच में 33 गेंदों पर नाबाद 75 रन की तूफानी पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका को 3-2 से सीरीज जिताई। उन्होंने 'प्लेयर ऑफ द मैच' के दो पुरस्कार जीते और 551 रेटिंग अंकों के साथ पुरुषों की टी20आई बैटिंग रैंकिंग में 39वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 5 मैचों के बाद किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा यह चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप : प्रीति ने ओलंपिक विजेता को हराया, फाइनल में बनाई जगह

उलानबटोर (मंगोलिया) । उदीयमान भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कोरिया की ऐजी इम को हराकर एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन हारकर बाहर हो गई । प्रिया और अरुंधति चौधरी ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते। विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पूजा रानी और अंकुशिता बोरो को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने तीन दौर के मुकाबले में इम को 5-0 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैम्पियन (2019, 2023, 2025) और तोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपै की हुआंग सियाओ वेन से होगा। महिलाओं के 60 किलोवर्ग में प्रिया ने स्थानीय मुक्केबाज नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना उत्तर कोरिया की उन जियोंग वोन से होगा। अरूंधति ने उजबेकिस्तान की ओइशा तोइरोवा को 70 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 4.1 से हराया। अब उनका सामना कजाखस्तान की बेकित सेइदिश से होगा। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत को ओलंपिक पदक विजेता चीन की वू यू ने 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 से मात दी। निकहत की इस मुक्केबाज के खिलाफ यह दूसरी हार है। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को 75 किलोवर्ग में विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता उजबेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। पहले दौर में बाय मिलने के बाद यह टूर्नामेंट में लवलीना का पहला मुकाबला था। अंकुशिता को चीनी ताइपै की नियेन चिन चेन ने 3-0 से हराया। महिलाओं के 80 किलो वर्ग में पूजा सेमीफाइनल में कजाखस्तान की एन रियाबेत्स से हार गई।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं ।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

धोनी फिटनेस टेस्ट में पास हुए तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबला बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिक में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेले हैं। 3 मुकाबले 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि जिन 8 मैचों में एमएस धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे हैं, उनमें से केवल एक ही मैच में सीएसके जीती है। वहीं बचे हुए 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गर्मियों में इस तरह बनाएं मखाना रायता, स्वाद और सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद

मखाना खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसे अंग्रेजी में फॉक्स नट के नाम से जाना जाता है. मखाना कमल के बीजों से बनता है और यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसे स्थानीय भाषा में मखाना कहते हैं. कई लोग इसके नाम से भी परिचित नहीं होंगे, लेकिन यह कई गुणों से भरपूर होता है. यह कई देशों में भी लोकप्रिय है. मखाना वजन कम करने में खा, भूमिका निभाता है, इसके अलावा यह ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में भी खास भूमिका निभाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि इसमें मौजूद प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, कार्बोहाइड्रेट और मिनरल्स शरीर के लिए बहुत लाभकारी होते हैं. 2017 में जर्नल ऑफ फूड साइंस में प्रकाशित % मखाना (यूरीएल फेरोक्स सेलिसब) का पोषण और फाइटोकेमिकल विश्लेषण शीर्षक वाले एक अध्ययन में भी यह बात सामने आई थी.

वैसे तो मखाने को आप अपने डाइट में कई तरह से शामिल कर सकते हैं, लेकिन गर्मियों में इसका रायता बनाकर खाना न सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि ये सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है. गर्मियां शुरू होते ही हर कोई दही को किसी न किसी रूप में अपनी रोजाना आहार में शामिल कर लेता है. बता दें, गर्म मौसम में दही शरीर को हेल्दी रखने में बहुत मददगार होता है, वहीं मखाने के फायदों को कौन नहीं जानता है, ऐसे में अगर मखाना और दही का कॉम्बिनेशन एक ही रेसिपी में मिल जाए तो क्या ही कहना.

मखाना का रायता बनाने के लिए सामग्री
1 कप दही
2 कप मखाना
1 छोटा चम्मच रायता मसाला
स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर
1 छोटा चम्मच चाट मसाला
1 छोटा चम्मच गरम मसाला
1 चम्मच देसी घी
बारीक कटा हुआ धनिया 1 चम्मच
स्वादानुसार नमक
बनाने की विधी

मखाना का रायता बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन लें और मध्यम आंच पर गर्म करें. फिर इसमें एक चम्मच देसी घी डालकर थोड़ा गर्म होने पर इसमें मखाने डालकर भूनें. जब मखानों का रंग हल्का सुनहरा हो जाए तो गैस बंद कर दें और मखानों को एक प्लेट में निकाल कर अलग रख लें. जब मखाने ठंडे हो जाएं तो इन्हें मिक्सर में डालकर दरदरा कर पीस लें. अब एक बर्तन लें और इसमें दही डालकर अच्छे से फेंट लें. आप चाहें तो दही को मिक्सर ग्राइंडर में डालकर भी फेंट सकते हैं. जब दही अच्छे से मिक्स हो जाए तो इसमें चाट मसाला, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, रायता मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छें से मिला लें. अब इसमें में दरदरा पिसा हुआ मखाना डालकर मिला लें. यदि रायता बनने के बाद गाढ़ा लग रहा हो तो इसमें अपनी जरूरत के हिसाब से पानी मिला लें. आपका स्वादिष्ट मखाना रायता बनकर तैयार है. अब इसे हरा धनिया डालकर गार्निश करें और सर्व करें.

गर्मियों में बढ़ जाती है पेट खराब होने की समस्या, डाइट में शामिल करें ये चीजें, मिलेगी राहत

गलत जीवनशैली और खानपान के कारण लोग कई स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार हो रहे हैं. इनमें पेट से संबंधित समस्याएं भी शामिल हैं. पेट से संबंधित समस्याओं के दौरान आपको कब्ज, बवासीर और दस्त का सामना करना पड़ सकता है. इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ हेल्दी चीजों को शामिल कर सकते हैं, जो पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत दिलाने में आपकी मदद करेंगी. डॉ. चैताली राठौड़ ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत पाने के लिए डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करने की सलाह दी है.

पेट से संबंधित समस्याओं से राहत पाने के लिए आहार

गरम पानी- दिनभर गर्म पानी पीने से पेट की समस्याओं और कब्ज से राहत मिलती है.

धनिये के बीज- धनिया की तासीर प्राकृतिक रूप से ठंडी होती है धनिया के बीज पेट और एसिडिटी की समस्याओं को रोकते हैं.

अदरक- अपने आहार में अदरक को शामिल करें। इससे पाचन संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकती है.

गाय का घी- अपने भोजन में 1 बड़ा चम्मच गाय का घी मिलाएं। इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है.

पुदीने की चाय- वात और पित्त दोषों को संतुलित करने के लिए दिन में एक या दो बार पुदीने की चाय पिएं। पुदीने की पत्तियों को 1 कप पानी में उबालें। आप पुदीने की पत्तियों को चबाकर या छानकर भी भोजन से पहले पी सकते हैं.

मूंग की दाल- हरी मूंग दाल प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है. इसे अपने आहार में शामिल करके आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं.

अंजीर- भीगे हुए अंजीर कब्ज और हाइपरएसिडिटी से राहत दिला सकते हैं.

काला नमक- काला नमक गैस, सूजन और भूख जैसी समस्याओं में सुधार करता है.

अनार- अनार में कई पोषक तत्व और स्वास्थ्य लाभ होते हैं। मीठा अनार पाचन में सहायता करता है, आयरन बढ़ाता है, और हार्मोनल स्वास्थ्य में मदद करता है.

गुलकंद- गुलकंद आईबीएस, कब्ज, हाइपरएसिडिटी और बांझपन में मदद करता है। इसके साथ ही गुलकंद पित्त और वात दोषों को संतुलित करता है. सर्वोत्तम परिणामों के लिए इसे दिन में दो बार 1-2 चम्मच लें.

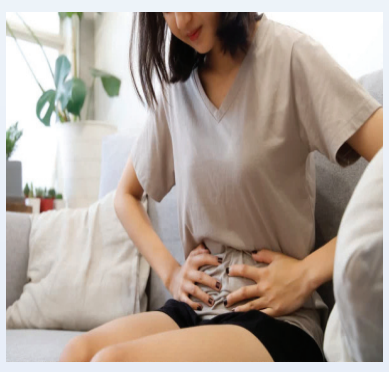

चेहरे पर पार्लर जैसा निखार लाने के लिए काफी है सिर्फ एक टमाटर, ऐसे करें इस्तेमाल

आप शायद पहले से ही जानते होंगे कि टमाटर कई कारणों से एक सुपरफूड है. यह न केवल आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है, बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी चमत्कारी है. टमाटर उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो बिना अधिक पैसे खर्च किए बहुत आसानी से सुंदर और आकर्षक दिखना चाहते हैं. टमाटर में चेहरे की चमक बढ़ाने और त्वचा की कई समस्याओं को ठीक करने की क्षमता होती है. इसमें विटामिन ए, सी और के भरपूर मात्रा में होते हैं. ये विटामिन त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं.

आपको बता दें, टमाटर में ऐसी खटास होती है जो आपकी त्वचा के रोमछिद्रों को खोलने में मददगार होती है और मुंहासों के इलाज में मदद करती है. टमाटर का इस्तेमाल हेल्दी स्किन सेल्स को प्रदूषित करने वाले फ्री रेडिकल्स को हटाने के लिए भी किया जा सकता है. बहुत से लोग अपनी बिजी लाइफस्टाइल के कारण त्वचा की देखभाल पर ध्यान नहीं देते हैं. ऐसे लोगों के लिए घर पर टमाटर का फेस पैक बनाना बहुत आसान है. चेहरे पर काले धब्बे, पिगमेंटेशन, झुर्रियां और एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने के लिए यह एक बेहतर उपाय है. टमाटर स्किन को जवां बनाए रखने में भी कारगर है. इस बारे में स्किन एक्सपर्ट ने कुछ खास टिप्स बताए हैं.

इसके लिए सबसे पहले एक ताजे टमाटर को आधा काट लें और फिर इसे अपनी त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें. 15 से 20 मिनट बाद इसे धो लें. ऐसा करने से स्किन पिगमेंटेशन दूर करने में मदद मिलेगी.

दूसरा तरीका यह है कि एक टमाटर लें और उसे अच्छी तरह से मैश करें और उसमें एक बड़ा चम्मच दही मिलाएं. इसे अच्छी तरह से मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं. 15 मिनट बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें. यह मुहांसों को रोकने के लिए एक बेहतरीन मास्क है.

वहीं, तीसरा तरीका यह है कि 2 से 3 चम्मच टमाटर की प्यूरी लें और इसमें 1 चम्मच नींबू का रस डालें और मिला लें. अब इस मिश्रण को त्वचा पर लगाकर 10 से 15 मिनट बाद धो लें. यह स्किन पर काले धब्बे और पिगमेंटेशन को हटाने और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करेगा.

चौथा तरीका यह है कि एक टमाटर को पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें. इसमें आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें और मिला लें. इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें. यह मास्क त्वचा की सूजन और रंग परिवर्तन जैसी समस्याओं को दूर करने में प्रभावी है. यह सूर्य की रोशनी से होने वाली त्वचा की क्षति की मरम्मत में भी मदद करेगा.

पांचवा तरीका यह है कि एक टमाटर को आधा काटें और उसपर थोड़ा चीनी छिड़क दें. आप इसका उपयोग अपने चेहरे और गर्दन पर तीन मिनट तक गोलाकार गति में धीरे-धीरे मालिश करने के लिए कर सकते हैं. फिर इसे ठंडे पानी से धो लें. यह डेड स्किन सेल्स को हटाने और त्वचा को नरम बनाने के लिए सबसे अच्छा है. ऐसा करना भी चेहरे की चमक बढ़ाने में कारगर है.

बहुत ज्यादा टेंशन होने पर कैसे करें मन शांत, जानिए काम आने वाले 5 तरीके

रोजाना के बिजी शेड्यूल की वजह से ज्यादा तर लोग खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते। भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोग तनावग्रस्त हैं। तनाव की वजह से मन अशांत रहता है और बड़े फैसले लेना मुश्किल होता है। टेंशन के बीच मन को शांत रखना सरल काम नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं है। छोटे-छोटे तरीकों को अपनाकर आप टेंशन में भी मन को शांत रख सकते हैं।

गहरी सांस लेना

अपनी नाक से गहरी सांस लें और फिर कुछ सेकंड के लिए रोककर रखें बाद में अपने मुंह से धीरे-धीरे सांस छोड़ें। ऐसा करते समय अपनी सांस की अनुभूति पर ध्यान केंद्रित करें।

माइंडफुलनेस प्रेक्टिस आएगी काम

अपने आस-पास के माहौल और शरीर की संवेदनाओं पर ध्यान दें। आप 5-4-3-2-1 तकनीक को आजमा सकते हैं। इसके लिए 5 ऐसी चीजें पहचानें जिन्हें आप देख सकते हैं, 4 ऐसी चीजें जिन्हें आप छू सकते हैं, 3 ऐसी चीजें जिन्हें आप सुन सकते हैं, 2 ऐसी चीजें जिन्हें आप सूंघ सकते हैं और 1 ऐसी चीज जिसे आप चख सकते हैं।

टहलने से मिलेगी मदद

टेंशन के बीच मन को शांत रखने का सबसे अच्छा तरीका है कुछ मिनटों के लिए बाहर निकलें और वॉक करें। इस दौरान अपने आस-पास के वातावरण पर ध्यान केंद्रित करें।

शांत करने वाले म्यूजिक को सुनें

बहुत ज्यादा टेंशन के बीच ऐसा करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। लेकिन अगर आप गलत फैसले लेने से बचना चाहते हैं तो मन शांत करने के लिए शांत करने वाले म्यूजिक को सुनें। म्यूजिक हृदय गति और ब्लडप्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

च्युइंग गम आएगी काम

बहुत से लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं लेकिन स्ट्रेस के बीच मन शांत करने में ये आपकी मदद कर सकती है। जब भी आपको तनाव महसूस हो तो च्युइंग गम चबाना शुरू कर दें। दरअसल च्युइंग गम चबाने से तनाव से जुड़े हार्मोन कॉर्टिसोल के लेवल को कम करने में मदद मिलती है , जिससे यह तनाव को जल्दी से मैनेज करने में मदद करता है।

बिना एक बूंद तेल डाले सिर्फ 10 मिनट में बनाएं ये तीखी और स्वादिष्ट चटनी

अक्सर ऐसा होता है कि हमारे पास सब्जी का ऑप्शन नहीं होता या सब्जी बनाने का समय नहीं होता, ऐसे में महिलाओं के सामने सवाल होता है कि अब किचन का क्या करें. ऐसे मौकों पर ज्यादातर घरों में आटे या दाल से बनी चीजें बनती हैं. लेकिन आज हम आपके लिए एक अलग ऑप्शन लेकर आए हैं. अगर आपके घर में सब्जी का ऑप्शन नहीं है तो आप ये रेसिपी ट्राई कर सकती हैं.

चटनी बनाने की सामग्री हर किसी के घर में मौजूद होती है. कुछ लोग मिक्सी में पीसकर किसी तरह की चटनी बना लेते हैं या फिर कई तरह की सामग्री और तेल मिलाकर चटनी बना लेते हैं. लेकिन एक ऐसी चटनी भी है जो बिना तेल के बनती है. इसके लिए आपको चूल्हा जलाने की भी जरूरत नहीं है. इसके अलावा इस चटनी को बनाने में ज्यादा मेहनत भी नहीं लगती. ये स्वादिष्ट चटनी बहुत कम सामग्री और बहुत कम समय में बनकर तैयार हो जाती है.

आइए जानते हैं 10 मिनट में बनने वाली प्याज और मिर्च की चटनी बनाने की विधि...

प्याज हरी मिर्च चटनी के लिए आवश्यक सामग्री
हरी मिर्च - 10 से 12
बड़े प्याज - 1
जीरा - 1 छोटा चम्मच
इमली - आवश्यकता अनुसार
छिली हुई लहसुन की कलियां - 10
धनिया पत्ती - आवश्यकता अनुसार
नमक - स्वाद अनुसार
बनाने की विधि

ऐसी मोटी हरी मिर्च चुनें जो आपके द्वारा प्रतिदिन उपयोग की जाने वाली गहरी हरी मिर्च की तुलना में कम हरी हो। क्योंकि मोटी मिर्च पतली मिर्च की तुलना में कम तीखी होती है.

अब मिर्च को बारीक काट लें.

यदि आप चटनी को तीखा बनाना चाहते हैं तो आप इसमें दो या तीन गहरे हरे मिर्च भी डाल सकते हैं.

इमली के टुकड़े लें और उन्हें एक कटोरे में भिगो दें.

लहसुन की कलियां छीलकर अलग रख दें.

अब एक बड़ा प्याज लें और उसे मध्यम आकार के टुकड़ों में काट लें.

फिर उपरोक्त सभी सामग्री को एक कटोरे में डालें और इसमें एक चम्मच जीरा डालें.

इस मिश्रण में भिगोई हुई इमली का पानी डालें और अच्छी तरह मिला लें.

इस मिश्रण को मिक्सर में पीस लें, लेकिन ध्यान रखें कि आपको पूरा थोड़ा दरदरा पीसना है या फिर आपको पास कूटने के लिए ओखली और मूसल सेट है तो उसमें अच्छे से कूट लें

चटनी अगर मोटी होगी तो ही खाने पर उसका स्वाद बेहद अच्छा लगेगा.

अब स्वादिष्ट चटनी तैयार है.

इस चटनी को आप रोटी या गरम चावल के साथ खा सकते हैं.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड- इस्राइल समर्थक यहूदी केंद्र के पास धमाका

येरूशलम, एजेंसी। नीदरलैंड पुलिस इस्राइल समर्थक एक ईसाई केंद्र के बाहर हुए छोटे विस्फोट की जांच कर रही है। मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। गेलडरलैंड प्रांत की पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि शुक्रवार रात हुए विस्फोट में कोई घायल नहीं हुआ। मध्य नीदरलैंड के निजकेर्क स्थित एक इमारत में मामूली क्षति हुई। क्रिश्चियंस फॉर इस्राइल समूह ने कहा कि विस्फोट निजकेर्क स्थित उनके इस्राइल केंद्र को निशाना बनाकर किया गया था।

हॉलीवुड की अभिनेत्री डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। द यंग एंड द रेस्टलेस और सिस्टास जैसे प्रसिद्ध शो के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री डोलोरेस डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने पुष्टि की कि फेफड़ों के कैंसर से जूझने के बाद 2 अप्रैल को उन्होंने अंतिम सांस ली। लुइसियाना में जन्मी फ्रीमैन का कॅरिअर काफी विविधतापूर्ण रहा। उन्होंने छह साल तक अमेरिकी मरीन कॉर्प्स में सेवा दी और जापान में रेडियो डीजे के रूप में भी काम किया।

लंदन- यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हमले के मामले में तीन गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश अभियोजकों ने उत्तरी लंदन में यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हुए आगजनी के हमले में तीन युवकों को आरोपी बनाया है। यह घटना 23 मार्च को एक सिनेगॉग के पास हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने स्तब्ध करने वाला यहूदी विरोधी हमला बताया था। आरोपियों की उम्र 17, 19 और 20 वर्ष है, जिनमें दो ब्रिटिश और एक ब्रिटिश-पाकिस्तानी नागरिक है। हमले की जांच आतंकवाद रोधी टीम के अधिकारियों द्वारा की जा रही है, हालांकि अभी इसे आतंकवादी घटना नहीं माना गया है।

ट्रंप का 63 साल से बंद अल्काट्राज जेल फिर से खोलने का प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कुख्यात अल्काट्राज जेल को फिर से खोलने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए उन्होंने 15.2 करोड़ डॉलर की मांग की है। इसमें अमेरिका के सबसे क्रूर व हिंसक अपराधी रखे जाएंगे। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के वित्त वर्ष 2027 के बजट प्रस्ताव में उल्लिखित इस प्रस्ताव का उद्देश्य ऐतिहासिक व लंबे समय से बंद पड़ी इस जेल को अत्याधुनिक सुरक्षित जेल सुविधा में बदलने के प्रारंभिक चरण को वित्तीय सहायता प्रदान करना बताया गया है। हालांकि, इस योजना के लिए राशि जारी करने के मुद्दे पर संसद को फैसला लेना है।

ढाका के पास गैस लाइटर फैक्ट्री में आग, 5 की मौत; आग लगने की वजह साफ नहीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास स्थित केरानिगंज के कदमतली इलाके में शनिवार दोपहर गैस लाइटर बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के मुताबिक, आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के लिए दमकल की 7 यूनिट तैनात की गईं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। शाम तक राहत और बचाव दल ने मलबे से 5 शव बरामद किए। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है।

अमेरिकी पायलट को ईरान से सुरक्षित बचाया गया, ट्रंप ने की पुष्टि

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान द्वारा अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल जेट को गिराए जाने के बाद लापता अमेरिकी सेवा सदस्य को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को दी। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह ऑपरेशन एक भयंकर खोज और बचाव अभियान के तहत सफल हुआ। इससे पहले जेट के एक अन्य चालक दल के सदस्य को पहले ही सुरक्षित बचाया जा चुका था।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा 'हमने उन्हें सुरक्षित निकाल लिया! पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने इतिहास के सबसे साहसी खोज और बचाव अभियानों में से एक सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हमारे अद्भुत क्रू मेम्बर अधिकारी, जो एक सम्मानित कर्नल हैं, अब पूरी तरह सुरक्षित हैं।' ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने अधिकारी के स्थान को 24 घंटे निगरानी में रखा और उनकी सुरक्षित वापसी की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने उन्हें बचाने के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे। ट्रंप ने कहा अधिकारी घायल हुए हैं, लेकिन वे पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की गीदड़भभकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को भारत को गीदड़भभकी देते हुए कहाकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुस्साहस की कोशिश का जवाब कोलकाता में हमले से दिया जाएगा। आसिफ ने लाहौर से लगभग 130 किलोमीटर दूर अपने गृहनगर सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए कहाकि अगर भारत इस बार हमें जिम्मेदार ठहरा कर कोई (सैन्य) ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम कोलकाता तक निशाना साधेंगे।

किस बात का किया दावा

आसिफ ने दावा किया कि ऐसी खबरें हैं कि उनके (भारत) अपने लोगों या पाकिस्तानियों के माध्यम से एक झूठ भरे अभियान की योजना बनाई गई, जिसमें कुछ शवों को कहीं डाल कर यह कहा गया कि वे आतंकवादी थे और उन्होंने ऐसा-ऐसा किया है। हालांकि, उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। गुरुवार को आसिफ ने कहा था कि किसी भी हमले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया त्वरित, सुनियोजित और निर्णायक होगी।

राजनाथ सिंह का दे रहे थे जवाब

आसिफ भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने पहले कहा था कि मौजूदा स्थिति में भारत के पड़ोसी देश की ओर से कोई भी दुस्साहस अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई को आमंत्रित करेगा। पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच चार दिनों तक संघर्ष चला था।

क्या बोले थे राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहाकि मौजूदा हालात में पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की दुस्साहसिक हरकत का जवाब अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा।

चुनावी राज्य केरल में सैनिक सम्मान सम्मेलन में सिंह ने कहाकि अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहाकि पहलगाम हमले के बाद, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को 22 मिनट के भीतर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और यह आतंकवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान था।

सिंह ने कहाकि मैं आपको बताना चाहता हूं कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान ने दोबारा ऐसी घिनौनी हरकतें कीं, तो हमारी सेना उन्हें ऐसा मुंहतोड़ जवाब देगी, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। इस बार जो होगा वह अभूतपूर्व होगा। सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात में हमारा पड़ोसी (पाकिस्तान) कोई भी दुस्साहस कर सकता है।

उन्होंने कहाकि अगर वह ऐसा करता है, तो जैसा मैंने आपको बताया, भारत की कार्रवाई अभूतपूर्व और निर्णायक होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई है और सरकार के रवैये और कार्यप्रणाली में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह बात 'ऑपरेशन सिंदूर' से स्पष्ट है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह अभियान चलाया था।

चांद के करीब पहुंचा आर्टेमिस 2, अपोलो 13 का तोड़ेगा रिकॉर्ड

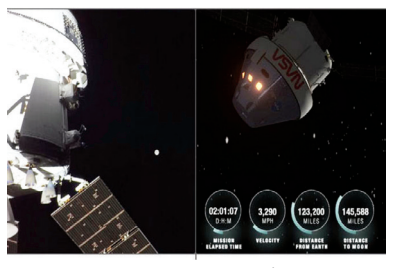

ह्यूस्टन, एजेंसी। चांद की ओर बढ़ रहा आर्टेमिस -2 मिशन अब इतिहास रचने के करीब पहुंच गया है। यह मिशन 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद के पास ले जा रहा है और इससे उम्मीदें काफी बड़ी हैं। इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जो सोमवार तक चांद के पास पहुंच जाएंगे। वे चांद के उस हिस्से की तस्वीरें लेंगे, जिसे पृथ्वी से नहीं देखा जा सकता। यह मिशन नासा के पुराने अपोलो प्रोग्राम के बाद अगला बड़ा कदम माना जा रहा है। अंतरिक्ष यात्री विक्टर ग्लोवर ने बताया कि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ रहे हैं, पृथ्वी छोटी दिख रही है और चांद बड़ा होता जा रहा है। यह अनुभव उनके लिए बेहद खास है।

मिशन के दौरान अंतरिक्ष यान में आई एक परेशानी : हालांकि मिशन के दौरान एक छोटी परेशानी भी सामने आई है। अंतरिक्ष यान ओरियन का टॉयलेट ठीक से काम नहीं कर रहा है। लॉन्च के बाद से इसमें बार-बार दिक्कत आ रही है। इंजीनियरों को शक है कि पाइप में बर्फ जमने से समस्या हो रही है। फिलहाल अंतरिक्ष यात्रियों को बैकअप तरीके इस्तेमाल करने पड़ रहे हैं। नासा के अधिकारियों का कहना है कि अंतरिक्ष में टॉयलेट सिस्टम संभालना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन टीम इस स्थिति को अच्छे से संभाल रही है।

अपोलो 13 मिशन के रिकॉर्ड को तोड़ने की तैयारी : यह मिशन एक नया रिकॉर्ड भी बनाने जा रहा है। आर्टेमिस ढूढ़ करीब 4 लाख किलोमीटर दूर तक जाएगा, जो अब तक इंसानों द्वारा तय की गई सबसे ज्यादा दूरी होगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड अपोलो 13 मिशन के नाम था। इस मिशन की एक खास बात यह भी है कि इसमें कनाडा के जेरेमी हैनसेन शामिल हैं, जो चांद की ओर जाने वाले पहले गैर-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। वहीं क्रिस्टीना कोच पहली महिला और विक्टर ग्लोवर पहले अश्वेत (ब्लैक) अंतरिक्ष यात्री हैं, जो इस मिशन का हिस्सा हैं।

प्रशांत महासागर में लैंड करने आर्टेमिस -2 मिशन : करीब 10 दिन के इस मिशन के बाद 10 अप्रैल को अंतरिक्ष यान प्रशांत महासागर में उतरकर पृथ्वी पर लौटेगा। नासा का यह मिशन भविष्य में चांद पर स्थायी बेस बनाने की दिशा में पहला बड़ा कदम है। एजेंसी का लक्ष्य है कि 2028 तक चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास इंसानों की लैंडिंग कराई जाए।

यमन से इसराइल पर मिसाइल हमला : हूती विद्रोहियों ने ली जिम्मेदारी

आईडीएफ ने हवा में ही मार गिराया

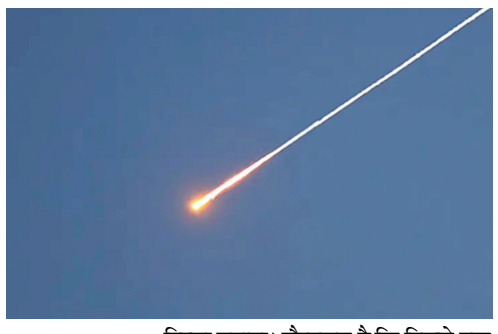

यरूशलेम/सना, एजेंसी। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर इसराइल को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया है। इस हमले के बाद क्षेत्र में तनाव और गहरा गया है। इसराइल डिफेंस फोर्सेज (द्वष्ठस्र) ने बयान जारी कर बताया कि उनके उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम ने यमन की ओर से आती हुई मिसाइल को सीमा पार करने से पहले ही इंटरसेप्ट कर लिया। मिसाइल दागे जाने के तुरंत बाद इसराइल के कई हिस्सों में अलर्ट जारी कर दिया गया था और नागरिकों को सुरक्षा के लिए शेल्टर में जाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, स्थिति स्पष्ट होने और खतरा टलने के कुछ ही मिनटों बाद सेना ने सुरक्षा प्रतिबंध हटा लिए।

हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ने इस हमले की पुष्टि करते हुए इसे इसराइल के खिलाफ उनके चल रहे सैन्य अभियान का हिस्सा बताया। गौरतलब है कि पिछले एक हफ्ते में हूतियों की ओर से किया गया यह इस तरह का दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले 28 मार्च को भी हूतियों ने वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के ऊपर से मिसाइलें दागी थीं, जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यमन से होने वाले ये लगातार हमले ईरान, अमेरिका और इसराइल के बीच बढ़ते क्षेत्रीय संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। हूतियों ने चेतावनी दी है कि जब तक गाजा में सैन्य कार्रवाई नहीं रुकती, उनके हमले जारी रहेंगे।

मारे गए ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की भतीजी पर गिरी गाज, अमेरिका में बेटी संग हिरासत में

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कुद्स बल का नेतृत्व करने वाले जनरल कासिम सुलेमानी की एक रिश्तेदार एवं उसकी बेटी अमेरिका के आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत में हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। हमीदा सुलेमानी अफशार और उनकी बेटी के ग्रीन कार्ड की अवधि अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा समाप्त किए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक हमीदा सुलेमानी की भतीजी हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, ''मीडिया की खबरों और सोशल मीडिया पर उनकी अपनी टिप्पणियों से यह सामने आया है कि सुलेमानी अफशार ईरान के तानाशाही, आतंकवादी शासन की मुखर समर्थक हैं।' अफशार के पति के भी अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध है। बता दें कि बगदाद एयरपोर्ट के पास 2020 में हुए अमेरिकी हमले में जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी।

ईरानियों का वीजा रद्द कर रहा अमेरिका : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने ईरान की मौजूदा या पूर्ववर्ती सरकार से जुड़े कम से कम चार ईरानी नागरिकों के ग्रीन कार्ड या अमेरिकी वीजा रद्द कर दिए हैं। इनमें दो लोगों को आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाल में फातिमा अर्देशीर-लारिजानी का वीजा भी रद्द कर दिया था, जो ईरान के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अली लारिजानी की बेटी हैं। अली लारिजानी पिछले महीने अमेरिका-इजराइल के हवाई हमले में मारे गए थे। फातिमा के पति सैयद कलंतर मोतामेदी का वीजा भी रद्द कर दिया गया है। दोनों अब अमेरिका में नहीं हैं।

खत्म होने वाला है ईरान युद्ध- डोनाल्ड ट्रंप : युद्ध के चलते परेशान अमेरिकी जनता को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में मची उथल-पुथल से अमेरिका काफी हद तक सुरक्षित है। उन्होंने सैन्य कार्रवाई तेज करने की चेतावनी देते हुए घोषणा की कि ईरान युद्ध 'पूरा होने के करीब' है। ट्रंप ने अमेरिकियों से कहा कि युद्ध 'खत्म होने वाला है' और इसमें केवल 'दो या तीन सप्ताह' और लगने का अनुमान है। हालांकि उन्होंने सैन्य अभियान को और तेज करने के संकेत देते हुए चेतावनी दी कि ईरान को 'पाषाण युग में वापस' भेजा जा सकता है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक महत्व को कमतर बताने की कोशिश की, जबकि इस महत्वपूर्ण समुद्री गलियारे की वजह से दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है।

ईरानी कमांडर ने बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने पर

अमेरिका-इज़रायल को विनाशकारी कार्रवाई की धमकी दी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष कमांडर ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका या इज़रायल ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला करते हैं, तो उसके जवाब में पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इज़रायली बुनियादी ढांचे पर 'विनाशकारी और लगातार' हमले किए जाएंगे। ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल मुख्यालय के प्रमुख कमांडर अली अब्दोल्लाही ने यह चेतावनी जारी की। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान से होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दी गई 10 दिन की समय-सीमा सोमवार को समाप्त होने वाली है। अब्दोल्लाही ने कहा, 'लगातार हार स्वीकार करने के बाद अमेरिका के आक्रामक और युद्धोन्मादी राष्ट्रपति ने एक हताश, घबराया हुआ, असंतुलित और मूर्खतापूर्ण कदम उठाते हुए ईरान के बुनियादी ढांचे व राष्ट्रीय संपत्तियों को निशाना बनाने की धमकी दी है।'

उन्होंने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल देश के अधिकारों की रक्षा करने और राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 'एक पल भी' हिचकिचाएंगे नहीं और 'हमलावरों को उनकी जगह दिखा देंगे।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'याद रखें जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन दिए थे,' और जोड़ा, 'समय खत्म हो रहा है और 48 घंटे बचे हैं, उसके बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।'

21 मार्च को ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोला, तो वह उसके बिजली संयंत्रों को 'नष्ट और तबाह' कर देंगे। हालांकि, दो दिन बाद तेहरान के साथ 'सकारात्मक बातचीत' के बाद उन्होंने हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दिया। बाद में उन्होंने समय-सीमा फिर बढ़ा दी।

इस बीच, ईरान की आईआरजीसी नौसेना ने कहा कि उसने ड्रोन से एक इज़रायल से जुड़े जहाज को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई। अपने आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सेपाह न्यूज़' में जारी बयान में आईआरजीसी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके बलों ने बहरीन के एक बंदरगाह में एक इज़रायली स्वामित्व वाले वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया।

होर्मुज स्ट्रेट संकट : अमेरिका से अलग होकर दुनिया के देश खुद कर रहे हैं समाधान की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के कई बड़े देश होर्मुज स्ट्रेट में पैदा हुए संकट को संभालने के लिए अब अमेरिका के बिना ही आगे बढ़ रहे हैं। ईरान युद्ध और उसके असर को लेकर अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं। खाड़ी क्षेत्र से तेल और गैस पर निर्भर देश इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को फिर से खोलने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं। वहीं, इस पूरे मामले में अमेरिका के रवैये को लेकर भी कई देशों में नाराजगी बढ़ रही है। इसी हफ्ते ब्रिटेन ने 40 से अधिक देशों की बैठक बुलाई, जिसमें इस जलमार्ग से फिर से जहाजों की आवाजाही शुरू कराने पर चर्चा हुई। इस दौरान वैश्विक व्यापार में रुकावट के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया गया।

हालांकि, इस बैठक में पश्चिमी देशों के बीच मतभेद भी साफ नजर आए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका के सैन्य कार्रवाई के प्रस्ताव को खुलकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका खुद फैसला लेकर कार्रवाई करे और फिर दूसरों से समर्थन की उम्मीद रखे, यह सही नहीं है। यह हमारा अभियान नहीं है। यूरोपीय देश इस संकट को सुलझाने के लिए सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत और आर्थिक दबाव को बेहतर तरीका मानते हैं। अधिकारियों और विशेषज्ञों का हवाला देते हुए 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने बताया कि स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए सैन्य विकल्पों को अवास्तविक और जोखिम भरा माना जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में बहरीन ने इस क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है, हालांकि 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, उसे चीन के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

यह पूरा घटनाक्रम अमेरिका और यूरोप के रिश्तों में बढ़ती दूरी को भी दिखाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान युद्ध ने अमेरिका और यूरोप के संबंधों को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां दरार साफ दिखाई दे रही है। अमेरिका इस बात से नाराज है कि उसके सहयोगी देश इस युद्ध में उसका साथ नहीं दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यूरोपीय देशों से नाराज बताए जा रहे हैं और उन्होंने नाटो के भविष्य पर भी सवाल उठाए हैं, जिससे इस गठबंधन को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इस बीच, ट्रंप के बयान भी साफ नहीं हैं। उन्होंने एक ओर कहा कि जो देश खाड़ी क्षेत्र के तेल पर निर्भर हैं, उन्हें खुद आगे आकर इस रास्ते को खोलना चाहिए और अमेरिका मदद करेगा। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका खुद इस रास्ते को खोल सकता है और इससे तेल व्यापार में फायदा उठा सकता है। इससे उनकी नीति में असमंजस दिखाई देता है।

जमीनी स्थिति की बात करें तो 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने इस जलमार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कुछ मित्र देशों को ही सीमित रूप से गुजरने दिया जा रहा है और जहाजों से शुल्क लेने का प्रस्ताव भी सामने आया है। इस संकट के कारण कई देशों ने आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। इसमें शिपिंग कंपनियों के साथ तालमेल और ईरान पर दबाव बनाने के लिए संभावित प्रतिबंधों पर चर्चा शामिल है।

पाकिस्तान में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है।

सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है।

वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे 'गोबर टैक्स' का नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है।

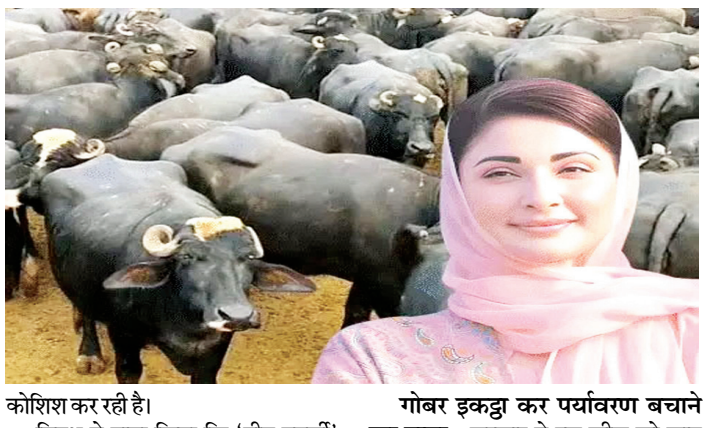

विपक्ष ने दावा किया कि 'ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है। असली कहानी कुछ और है। सरकार का फैसला पहले से महंगाई और महंगे चारे से जूझ रहे किसानों से जबरन पैसा निकालने का तरीका है।

गोबर इकट्ठा कर पर्यावरण बचाने का दावा : सरकार ने इस फीस को लागू करने के लिए राज्य की करीब 168 कैटल कॉलोनियों को चिन्हित किया है। इन कॉलोनियों की लगभग 50 लाख गाय-भैंसों पर यह फीस लग सकती है। इस नई योजना के तहत पशुपालकों से हर पशु के हिसाब से रोजाना शुल्क लिया जाएगा। पहले चरण में लाहौर की दो प्रमुख डेयरी कॉलोनियों हरबंसपुरा और गुज्जरपुरा से शुरू होगा। बाद में पूरे पंजाब में फैलाया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल गोबर इकट्ठा करने, कचरा मैनेजमेंट और बायोगैस प्लांट चलाने में किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को भी फायदा हो। इतनी ज्यादा गाय-भैंसों का रोजाना कितना गोबर निकल रहा है, इसे ठीक-ठीक नापना लगभग नामुमकिन है। इसी वजह से सरकार ने प्रति पशु तय दर से फीस वसूली का मॉडल अपनाने का फैसला किया है। चाहे गाय या भैंस ज्यादा गोबर दे या कम मालिक को हर पशु के हिसाब से रोज एक तय फीस देनी होगी।

विपक्ष बोला- सरकार के पास असली कमाई का रास्ता खत्म : विपक्ष का कहना है कि यह शासन का सही मॉडल नहीं है।

यह इस बात का साफ इशारा है कि पाकिस्तान के सबसे बड़े राज्य के पास अब कमाई के असली रास्ते ही खत्म हो गए हैं। वहीं, किसानों और पशुपालकों की चिंता अलग है। उनका कहना है कि वे पहले से ही महंगे चारे, बढ़ती बिजली कीमतों और महंगाई से जूझ रहे हैं। ऐसे में यह नया टैक्स उनके खर्च को और बढ़ा देगा।

एक पाकिस्तानी इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने कहा, 'एक तरफ भ्रष्ट नेता और अफसर लग्जरी गाड़ियां, विदेश यात्राएं और मोटी सैलरी का मजा ले रहे हैं। दूसरी तरफ किसान, जो पहले ही अपने पशुओं का पेट भरने के लिए जूझ रहा है, अब उससे कहा जा रहा है कि अपनी भैंस के गोबर के लिए भी सरकार को पैसा दो। इससे साफ है कि सिस्टम पूरी तरह गड़बड़ है।'

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनगणना अधिकारी जिला स्तर पर बुनियादी ढांचे के आंकड़े हैंडबुक में करेंगे रिकॉर्ड

पहला चरण पूरा होने के दो महीने बाद हैंडबुक के लिए जमीनी स्तर पर शुरु होगा काम

नई दिल्ली ।

जनगणना का पहला चरण खत्म होने के दो महीने बाद स्थानीय निकायों के सरकारी अधिकारी 784 जिलों में नागरिक सुविधाओं के बारे में आंकड़े इकट्ठा करेंगे, ताकि देश की जिला जनगणना हैंडबुक (डीसीएचबी) तैयार की जा सके।

इस हैंडबुक में गांव और शहर के स्तर पर नागरिक बुनियादी ढांचे का पूरा रिकॉर्ड होगा।

भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में कहा है कि वे जनगणना-2027 का पहला चरण पूरा होने के दो महीने बाद इस हैंडबुक के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू करें और इसे 30 दिनों में पूरा कर लें। इस हैंडबुक में स्कूल, अस्पताल, जलनिकासी व्यवस्था, बिजली कनेक्शन, सड़कें, बैंक और दर्जनों अन्य सुविधाओं का रिकार्ड होगा। इसमें न केवल यह बताया जाता है कि कोई सुविधा मौजूद है या नहीं, बल्कि यह भी बताया जाता है कि अगर वह मौजूद न हो तो निवासियों को उसके लिए कितनी दूर जाना पड़ेगा।

आजादी के बाद 1951 में हुई पहली जनगणना के बाद से लगातार प्रकाशित हो रही इस हैंडबुक को तैयार करने के तरीके में अब एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

पहली बार आंकड़े मोबाइल एप के जरिये इकट्ठा किया जाएंगे। 9 क्षेत्रों के आंकड़े किए जाएंगे। यह हैंडबुक देश के सभी 784 जिलों के लिए अलग-अलग तैयार की जाती है, जिससे यह हर गांव और शहर के नागरिक बुनियादी ढांचे का पूरा रिकॉर्ड होता है।

ग्राम निर्देशिका में नौ क्षेत्रों के आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। इनमें शैक्षिक एवं चिकित्सा सुविधाएं, जल एवं स्वच्छता, परिवहन एवं संचार, बैंकिंग और ऋण, बिजली आपूर्ति, भूमि उपयोग एवं सिंचाई, मुख्य कृषि उत्पाद, विनिर्मित वस्तुएं और हस्तशिल्प शामिल हैं।

प्रत्येक सुविधा के लिए क्षेत्रीय कर्मचारियों को यह दर्ज करना होगा कि क्या वह उपलब्ध है और वहां कितनी सरकारी व निजी सुविधाएं मौजूद हैं।

अगर कोई सुविधा नहीं है, तो सबसे नजदीकी सुविधा की दूरी कितनी है। इसे पांच किलोमीटर से कम, 5-10 किलोमीटर के बीच या 10 किलोमीटर से ज्यादा के

रूप में दर्ज किया जाएगा। नगर निर्देशिका में झुग्गी-झोपड़ी स्तर के बुनियादी ढांचे, सामाजिक एवं मनोरंजक सुविधाएं और 1911 से जनसंख्या वृद्धि के इतिहास पर अतिरिक्त अनुभाग शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई से दो संदिग्धों को किया गिरफ्तार

रिमोट-कंट्रोल्ड खिलौना कारों में बम लगाकर हमले करने की बना रहे थे योजना

नई दिल्ली ।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। कुछ अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि मुंबई में पकड़े गए दोनों संदिग्ध आईएस मॉड्यूल का हिस्सा थे, जो रिमोट-कंट्रोल्ड खिलौना कारों में बम लगाकर हमले करने की योजना बना रहे थे। तलाशी में उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री मिली है जिसमें संवेदनशील साहित्य और चैट शामिल हैं। कुर्ला और पास के खडावली इलाकों में छापेमारी के बाद मोसाब और हमद को गिरफ्तार किया है। यह अभियान महाराष्ट्र एटीएस के साथ मिलकर चलाया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी मिशन खिलाफत और सोल्जर्स ऑफ जिहाद नामक कट्टरपंथी ऑनलाइन समूहों में शामिल हो गए थे। जांच में संदिग्धों और अबू हुफैजा के बीच संबंधों का खुलासा हुआ है। अबू हुफैजा आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा था, जो टेलीग्राम और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इस्लामिक स्टेट के रिक्रूटर के रूप में काम करता है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमें जानकारी मिली थी कि कुर्ला, शिवाजी नगर और गोवंडी इलाकों के कुछ युवक बैन आतंकी संगठनों के संपर्क में थे। कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए, हमारी टीमों ने शनिवार-रविवार को तीन लोगों के घरों पर तलाशी ली। उनसे पूछताछ की गई है, और उनके मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए हैं। इस कार्रवाई के बाद कई अन्य लोग भी सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में आ गए, क्योंकि एजेंसियों ने मुंबई में चार से पांच ऐसे नाबालिगों की पहचान की है, जो आईएस के दुष्प्रचार से प्रभावित हैं। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। केंद्र और राज्य की एजेंसियां इस नेटवर्क को खत्म करने और इस मॉड्यूल से जुड़े अन्य सुरागों का पता लगाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। पुलिस ने बताया कि अब प्रयासों का मुख्य केंद्र उन हैंडलर्स की पहचान करना और पूरे देश में किसी भी संभावित स्लीपर गतिविधि को रोकना है।

आर्मेनिया ही नहीं अमेरिका-इजराइल भी भारत से खरीद रहे हथियार

भारत ने 38,424 अरब रुपये के हथियार बेचे जो एक उपलब्धि

नई दिल्ली ।

भारत ने पिछले वित्त वर्ष में चार अरब डॉलर से ज्यादा के स्वदेशी हथियारों की बिक्री की जो अभी तक सबसे उच्च स्तर पर है। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये आंकड़े 2024 की तुलना में 60 फीसदी से भी ज्यादा की बढ़ोतरी है।

भारत जो यूक्रेन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार खरीददार है उसके लिए हथियार निर्यात में जबरदस्त छलांग लगाना दुनिया की डिप्लोमेसी में पावर शिफ्ट को दिखाता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत एक वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा है कि भारत ने 38,424 अरब रुपये के हथियार बेचे हैं जो एक उपलब्धि है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत की सरकारी रक्षा कंपनियों का निर्यात में करीब 55 फीसदी जबकि बाकी का उत्पादन निजी कंपनियों की तरफ से किया गया। ये भारत में बन रहे मजबूत डिफेंस

इको-सिस्टम को दिखाता है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक भारत 100 से ज्यादा देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, फिलीपींस और आर्मेनिया शीर्ष ग्राहकों में शामिल हैं। भारत मिसाइल सिस्टम, बोट्स, तोपखाने, रडार सिस्टम, रॉकेट लॉन्चर और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का निर्यात करता है।

आर्मेनिया-भारतीय स्वदेशी हथियारों का आर्मेनिया सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा है। आर्मेनिया ने अपने रक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए भारत से भारी मात्रा में हथियार खरीदे हैं, जिनमें पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम और स्वाति वेपन लोकेटिंग रडार शामिल हैं।

फिलीपींस- दक्षिण चीन सागर में चीन से मिल रही चुनौती के बीच फिलीपींस ने अपनी नौसेना के लिए भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम खरीदा है। यह डील भारतीय रक्षा निर्यात के इतिहास में एक बड़ा गेम-चेंजर साबित हुई है। अमेरिका सबसे ज्यादा भारतीय हथियार खरीदने वाला देश है।

वैश्विक तेल संकट के बीच भारत में ईंधन की कीमतें स्थिर

कच्चे तेल के दाम 110 डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में खलबली मचा दी है। सोमवार, 6 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गईं। ब्रेंट क्रूड 1.69 डॉलर की बढ़त के साथ 110.72 डॉलर और डब्लूटीआई क्रूड 112.27 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इस वैश्विक उछाल के कारण पाकिस्तान, श्रीलंका और चीन जैसे पड़ोसी देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें आसमान छू रही हैं, लेकिन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि घरेलू स्तर पर ईंधन के दाम स्थिर बने हुए हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कीमतों में आई इस तेजी के कारण भारतीय तेल विपणन कंपनियों को भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। वर्तमान स्थिति में कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 24 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर करीब 104 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। इसके बावजूद, आम नागरिकों को महंगाई से बचाने के

लिए कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। राजधानी दिल्ली में 6 अप्रैल की सुबह जारी दरों के अनुसार, साधारण पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर टिका हुआ है।

वहीं, पश्चिम बंगाल के कोलकाता, हावड़ा और अन्य जिलों में पेट्रोल की कीमत 105 रुपये प्रति लीटर के आसपास बनी हुई है। हालांकि, म्यांमार, अफगानिस्तान और चीन जैसे देशों में ईंधन की कीमतों में बड़ा उछाल दर्ज किया गया है, जिससे वहां की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है।

बाजार विशेषज्ञों और आम लोगों के बीच यह चर्चा तेज है कि क्या पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के कारण कीमतों को रोक कर रखा गया है। कई लोगों का मानना है कि चुनाव संपन्न होते ही तेल कंपनियां घाटे की भरपाई के लिए कीमतों में बड़ी वृद्धि कर सकती हैं।

इस पर पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिरता प्रधानमंत्री की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय उतार-चढ़ाव के प्रभाव से देश के नागरिकों को सुरक्षित रखा जा रहा है। विशेषज्ञों की राय है कि यदि ब्रेंट क्रूड लंबे समय तक 100 डॉलर से ऊपर बना रहता है, तो सरकार के लिए मौजूदा कीमतों को नियंत्रित रखना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा और आने वाले समय में घरेलू कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

ऊधम सिंह नगर में बंद पड़े पोल्ट्री फार्म में 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा बरामद

रुद्रपुर ।

उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर के काशीपुर क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़े कालाबाजारी रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। परमानंदपुर स्थित एक पुराने पोल्ट्री फार्म में छापेमारी के दौरान 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा और 100 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। इसमें से 16 सिलेंडर भरे हुए और 53 खाली थे। प्रशासन ने मौके से एक आरोपी जुबैर अली को गिरफ्तार किया, जो उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के ग्राम घोसीपुरा पट्टीकला का निवासी है। सूचना के आधार पर एसडीएम अभय प्रताप सिंह और तहसीलदार पंकज चंदोला ने टीम के साथ तुरंत छापेमारी की। उन्होंने बताया कि पुराने बंद पोल्ट्री फार्म का उपयोग गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री और अन्य नशीली वस्तुओं के धंधे के लिए हो रहा था। बरामदगी से यह स्पष्ट होता है कि आरोपी कई तरह के अवैध कारोबार में शामिल था। गैस सिलेंडरों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर तन्मय मैथानी को सौंपा गया है, जबकि गांजा और शराब को पुलिस ने सील कर लिया है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है ताकि इसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके। एसडीएम अभय प्रताप सिंह ने कहा कि जिलाधिकारी के निर्देश पर गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि एक गुप्त टीम संदिग्ध स्थानों पर नजर रखे हुए है और कोई भी व्यक्ति जो गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी या अन्य अवैध कारोबार में लिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से प्रशासन ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि गैस और नशीली वस्तुओं की अवैध बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे मामलों में किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी।

ईरान जंग का असर, एअर इंडिया ने इजराइल के लिए उड़ाने 31 मई तक कीं रद्द

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एयर इंडिया ने नई दिल्ली-तेल अवीव रूट पर 31 मई तक उड़ानें रद्द कर दी हैं। तेल अवीव के लिए ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस पहले ही अपनी उड़ानें बंद कर चुकी हैं। फिलहाल एल अल, इस्राएर, अर्किया और एयर हाइफा ही सीमित सेवाएं चला रही हैं। फ्लाइट सस्पेंड होने से 40 हजार से ज्यादा भारतीय पर असर पड़ा हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत आने के लिए उन्हें जॉर्डन या मिस्र के रास्ते जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय

दूतावास ने 24 घंटे की हेल्पलाइन शुरू की है। रजिस्ट्रेशन अभियान भी चला रहा है। राजदूत जेपी सिंह ने भारतीय कामगारों और छात्रों से वर्चुअल बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली-तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा 1 जनवरी से शुरू हुई थी, जिसमें सप्ताह में चार फ्लाइट बोइंग 787 ड्रीमलाइनर से संचालित की जा रही थीं।

तमिलनाडु में बड़े दलों ने ब्राह्मणों को किया दरकिनार, टिकट देने को भी नहीं हैं तैयार

चेन्नई ।

तमिलनाडु में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन सूचियों के विश्लेषण से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है—राज्य की मुख्यधारा की राजनीति से ब्राह्मण उम्मीदवारों का लगभग पूरी तरह गायब होना। करीब 3 प्रतिशत आबादी वाले इस समुदाय को द्रविड़ राजनीति के गढ़ में इस बार बड़ी पार्टियों ने टिकट देने से परहेज किया है। राजनीतिक विश्लेषक इसे राज्य के चुनावी इतिहास में एक बड़े बदलाव के रूप में देख रहे हैं।

सबसे चौंकाने वाला फैसला अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) का रहा है। लगभग 35 वर्षों में यह पहली बार है जब पार्टी ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के निधन के बाद से पिछले 10 वर्षों में पार्टी ने केवल एक बार 2021 में इस समुदाय के व्यक्ति को टिकट दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि जयललिता और एमजीआर के दौर में ब्राह्मण उम्मीदवार पार्टी की प्राथमिकता हुआ करते थे, लेकिन अब समीकरण बदल चुके हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों के अनुसार, जयललिता के बाद ब्राह्मण मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है, जिसके कारण अन्नाद्रमुक को अब इस समुदाय को टिकट देने में कोई सीधा चुनावी लाभ नजर नहीं आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि हिंदुत्व की राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी 27 सीटों की सूची में किसी ब्राह्मण चेहरे को स्थान नहीं दिया

है। इसी तरह सत्ताधारी द्रमुक (डीएमके) और कांग्रेस ने भी इस समुदाय से दूरी बनाई है। द्रमुक की राजनीति का आधार ही गैर-ब्राह्मण सशक्तिकरण रहा है, इसलिए उनकी सूची में यह बदलाव स्वाभाविक माना जा रहा है।

डोसा बैटर बना मौत का कारण, दो मासूम बहनों की जान गई

चांदखेड़ा इलाके की घटना से खाद्य सुरक्षा पर उठे सवाल, माता-पिता की हालत गंभीर; जांच में जुटा प्रशासन

अहमदाबाद ।

शहर के चांदखेड़ा इलाके में एक बेहद दर्दनाक घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। यहां एक सामान्य परिवार द्वारा मंगाया गया डोसा बैटर जानलेवा साबित हुआ, जिससे दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार ने बाजार से डोसा बनाने के लिए तैयार बैटर मंगवाया था। इस बैटर से बने डोसे खाने के बाद परिवार के सभी सदस्यों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। हादसे में 3 महीने की एक बच्ची और 4 साल की दूसरी बच्ची की मौत हो गई, जबकि माता-पिता को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद इलाके में शोक के साथ-साथ भारी आक्रोश भी देखा जा रहा है। लोगों ने बाजार में मिलने वाले तैयार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनकी जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभाग अपनी जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाह रहे हैं। घटना के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली भी चर्चा के केंद्र में आ गई है। लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग चुनावी कार्यों में व्यस्त होने के कारण समय पर कार्रवाई नहीं कर सके। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डोसा बैटर के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसमें किस प्रकार की मिलावट या विषाक्त तत्व मौजूद थे। यह हृदयविदारक घटना एक गंभीर चेतावनी है कि बाहर से मंगाए जाने वाले खाद्य पदार्थों के प्रति सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

यूपी के करीब 6000 मजदूर इजराइल में हैं सुरक्षित, सरकार कर रही लगातार निगरानी

किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की नहीं जताई इच्छा

लखनऊ ।

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तेज होती जंग और ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों के बीच इजराइल में काम कर रहे यूपी के करीब 6000 मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कई लोग सवाल कर रहे थे कि क्या ये मजदूर सुरक्षित हैं और क्या उन्हें भारत वापस लाया जाएगा? इन सवालों का जवाब देते हुए यूपी सरकार ने कहा कि सभी मजदूर पूरी तरह सुरक्षित हैं और सरकार लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

यूपी सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर वे नियमित रूप से भारतीय दूतावास के अधिकारियों के संपर्क में हैं। दूतावास के जरिए यूपी के सभी मजदूरों की लगातार निगरानी की जा रही है।

उन्होंने साफ किया कि तनावपूर्ण हालात के बावजूद अभी तक किसी भी मजदूर की ओर से भारत लौटने की कोई मांग नहीं की गई है। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि ईरानी हमलों के बावजूद इजराइल में कार्यरत यूपी के 6000 से ज्यादा मजदूर सुरक्षित हैं।

उन्होंने कहा कि हम भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों के जरिए हम हर श्रमिक की लोकेशन और सुरक्षा स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। यूपी सरकार ने साफ किया कि जरूरत पड़ने पर श्रमिकों की सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था पहले से तैयार है। हालांकि, फिलहाल किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की इच्छा नहीं जताई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि सीएम योगी ने इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं कि विदेश में काम कर रहे यूपी के किसी भी मजदूर की सुरक्षा से कोई समझौता न किया जाए। इसके तहत श्रम विभाग लगातार दूतावास के साथ समन्वय कर रहा है।

इस जंग की शुरुआत से ही ईरान तेल अवीव समेत इजराइल के बड़े शहरों पर मिसाइलें बरसा रहा है। ऐसे में विदेश में रह रहे भारतीयों, खासकर इजराइल में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई थी। यूपी

भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यहां से सबसे ज्यादा लोग इजराइल में निर्माण, कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम करते हैं। योगी सरकार ने तनाव शुरू होते ही तुरंत सक्रिय भूमिका निभाई।